जयपुर में ''मावठ'' के साथ सर्द हवाओं ने छुड़ाई धूजणी

जयपुर में शुक्रवार को दिनभर रुक-रुक कर होती रही बारिश से दुपहिया वाहन चालकों को परेशानी होती रही। सूरज के दर्शन नहीं होने से तापमान में कमी रही जिससे लोग सर्दी से कांपते रहे। विजिबिलिटी भी कम रही। बड़ी चौपड़ पर हुई बारिश का नज़ारा।

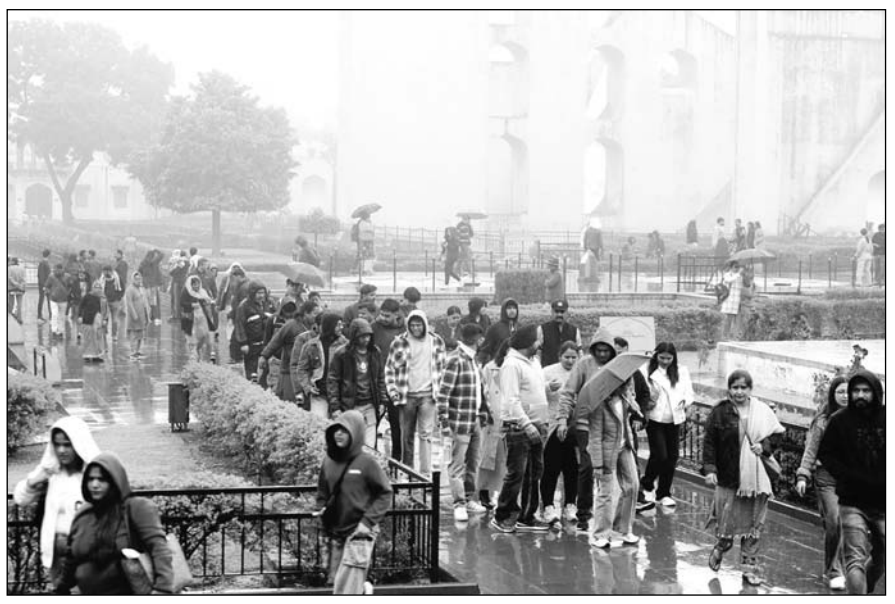

गुलाबी नगरी जयपुर में क्रिसमस व न्यू ईयर सेलिब्रेशन और सर्दी की छुट्टियों का लुत्फ उठाने आये पर्यटकों ने शुक्रवार को बारिश के बीच जंतर-मंतर देखने का आनंद लिया।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । पश्चिम विक्षोभ के चलते राजधानी जयपुर समेत पूरे राजस्थान में ''मावठ'' का दौर शुरू हो गया है। गुरूवार रात को हल्की बारिश के बाद लगातार दूसरे दिन शुक्रवार को दिनभर हल्की बारिश का दौर चला। ऐसा लगा मानों सावन का महीना चल रहा है। एक तरफ जहां बादलों और कोहरे के कारण दिनभर सूर्यदेव के दर्शन नहीं हुए, वहीं दूसरी तरफ सर्द हवाओं ने ठिठुरन बढ़ा दी है।

बीते दो दिनों से हो रही बारिश के कारण तापमान में भारी गिरावट आई है। ''मावठ'' के साथ-साथ कोहरे के कारण एकबारगी तो जयपुर का नजारा भी शिमला-मनाली जैसा लगा। क्रिसमस (25 दिसंबर) से लेकर नववर्ष का स्वागत के लिए जयपुर में इन दिनों देशी-विदेशी पर्यटकों की भीड़ भी उमड़ी हुई है। यह लोग भी बारिश की बूंदों के बीच जयपुर की हैरिटेज विरासतों को निहारते नजर आए। जयपुर में कोहरे के कारण दिन में अंधेरा होने के कारण रास्ते पर चल रही गाड़ियों को हैडलाइट जलानी पड़ी। जयपुर का जलमहल शुक्रवार सुबह हल्की बारिश और कोहरे के बीच बेहद खूबसूरत नजर आया। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार को जयपुर शहर और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुककर दिन भर हल्की बरसात का दौर जारी रहा, जिससे तापमान में कमी आने से ठंड में बढोत्तरी हुई। मौसम विभाग ने 24 घंटों में अजमेर, जयपुर एवं भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर

- **दिनभर बारिश से तापमान में गिरावट आई, बादलों व कोहरे के कारण नहीं हुए सूर्यदेव के दर्शन**
- **मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना जताई हैं।**

ओलावृष्टि की संभावना जताई हैं, हालांकि शनिवार को पश्चिमी राजस्थान में हल्की बारिश के दौर में कमी आयेगी, जबकि कोटा क्षेत्र में कुछ स्थानों पर हल्की बरसात का दौर जारी रहने की संभावना है। इसके बाद 29 दिसंबर से पांच-सात दिनों तक मौसम शुष्क रहने तथा अगले तीन-चार दिनों तक घना कोहरा भी छाया रहने की संभावना है।

पिछले 24 घंटों में नीमकाथाना में सर्वाधिक 30 मिलीमीटर बरसात दर्ज की गई। इसी तरह अजमेर के पीसांगन एवं पुष्कर 20-20, सीकर के दांतारामगढ़, रामगढ़ शेखावतन, झुंझुनूं के चिडावा एवं पिलानी, झुंझुनूं, नवलगढ़, सीकर, लक्ष्मणगढ़, फतेहपुर, चूरु के रतनगढ़, हनुमानगढ़ के भादरा आदि क्षेत्रों में 10 मिलीमीटर वर्षा हुई। इससे प्रदेश के तापमान में गिरावट आई और सबसे कम 5.4 डिग्री सेल्सियस चुरु में दर्ज किया गया। इसी तरह जैसलमेर में 9.6 डिग्री सेल्सियस न्यूतम तापमान रहा, जबकि शेष लगभग सभी स्थानों पर न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा। इस दौरान पर्यटन स्थल माउंट आबू में 11.4 एवं जयपुर में 16 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया। इस बारिश से प्रदेश में फसलों को फायदा पहुंचेगा, जिससे किसानों के चेहरों पर मुस्कान हैं।

जेकेके में सजेगी गायन-वादन की महफिल

जयपुर। जवाहर कला केन्द्र की ओर से 28 और 29 दिसंबर को गायन और वादन के दो दिवसीय उत्सव मधुरम का आयोजन किया जा रहा है। इसमें प्रसिद्ध कलाकार अपनी गायन और वादन की प्रस्तुति के साथ कला प्रेमियों से रूबरू होंगे। पहले दिन शनिवार को जितेंद्र राणा उप शास्त्रीय गायन की प्रस्तुति देंगे। इसी के साथ बैंड प्रस्तुति में डॉ. राजर्षि कसौधन और रोशनी केशरी, बांसुरी वादन और गायन की संयुक्त प्रस्तुति से समां बाधेंगे।

दूसरे दिन रविवार को डॉ. सुनील राही अपनी सुरीली आवाज में ग़ज़ल का गुलदस्ता सजाएंगे। वहीं विभिन्न बॉलीवुड सॉन्ग्स में अपनी सारंगी की धुन का जादू दिखाने वाले मोमिन खान एकल वादन प्रस्तुति देंगे।

नववर्ष के स्वागत में होगा ''दूध महोत्सव''

जयपुर। श्रीराम जन सेवा समिति झोटवाड़ा जयपुर की ओर से नववर्ष के स्वागत में इस बार भी ''दूध महोत्सव'' का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यक्रम के लिए समिति पदाधिकारियों ने उपमुख्यंत्री और विद्याधर नगर विधायक दिया कुमारी को निमंत्रण दिया है। इस मौके पर श्रीराम जन सेवा समिति के कार्यकर्ता कपिल सोनी, राजेंद्र बोरा, दिनेश सैनी, समिति अध्यक्ष अजीत कुमार शर्मा भी मौजूद थे।

MUNICIPAL CORPORATION (GREATER), JAIPUR
(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)
No. F-6()DCR-FIRST (J.S)/RO.LIC/N.N.J/2024/409 Date : 27.12.2024
PUBLIC NOTICE
The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3315686	ON Green Belt, Haldighati Marg, Near Pratap Enclave Circle,Pratap Nagar, Ward No.115, Jaipur
2	IN 3314999	Row, Road Side Area, Sector-18, Sector-19 Road, Pratap Nagar, Ward No.118, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.
In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.
Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation (Greater), Jaipur

राज्य सरकार ने डीप फेक से सुरक्षा के लिए एडवाइजरी जारी की

आमजन और संगठनों को साइबर सुरक्षा के सम्बंध में संभावित खतरों के प्रति जागरूक करने के लिए दिये सुझाव

जयपुर। डीप फेक एवं आर्टिफिसियल इंटेलीजेंस का दुरूपयोग कर सोशल मीडिया पर गलत खबरें फैलाने की बढ़ती हुई घटनाओं की गंभीरता को देखते हुए राज्य सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इससे आमजन में साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ेगी। एजवाइजरी के माध्यम से व्यक्तियों और संगठनों को डीपफेक के संभावित खतरों को पहचानने और उनसे बचाव के लिए सुझाव दिये गए हैं।

डीपफेक एक तकनीक है जिसमें एआई का उपयोग कर यथार्थ और विश्वसनीय लगने वाले नकली वीडियो, चित्र और ऑडियो बनाए जाते हैं। इसके माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाने, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी करने का काम किया जाता है।

इसका उपयोग किसी भी व्यक्ति या संगठन की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए भी किया जा सकता है। घोटालेबाजों द्वारा डीपफेक तकनीक का उपयोग कर परिवार के सदस्यों या परिचितों का प्रतिरूपण कर धन हस्तांतरण या संवेदनशील वित्तीय जानकारी जुटा कर उसका दुरूपयोग किया जा सकता है। इसके अलावा डीपफेक के माध्यम से सार्वजनिक हस्तियों या घटनाओं का नकली वीडियो बनाकर आमजन को भ्रमित किये जाने का जोखिम भी है।

- **डीपफेक एक तकनीक है जिसके माध्यम से गलत सूचनाएं फैलाने, साइबर धोखाधड़ी और वित्तीय ठगी करने का काम किया जाता है।**
- **डीपफेक से बचने के लिए उसे पहचानना जरूरी है। असामान्य भावभंगिमाएं, सिंथेटिक रूप रंग, रोबोट जैसी आवाज एवं असंगत प्रकाश व्यवस्था जैसे संकेतों से डीपफेक की पहचान की जा सकती है।**

डीपफेक से बचने के लिए उसे पहचानना जरूरी है। असामान्य भावभंगिमाएं, सिंथेटिक रूप रंग, रोबोट जैसी आवाज एवं असंगत प्रकाश व्यवस्था जैसे संकेतों से डीपफेक की पहचान की जा सकती है। डीपफेक से बचाव के लिए जरूरी है कि बिना विश्वसनीय स्त्रोत के किसी भी डिजिटल सामग्री को सोशल मीडिया पर साझा नहीं करना चाहिये।

किसी भी सूचना की वास्तविकता का आकलन करके ही शेयर करें। इसके अतिरिक्त अनचाहे संदेश या अनुरोध प्राप्त होने पर उसे बिना सत्यापित करे कोई कार्यवाही न करें। साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह भी जरूरी है कि व्यक्ति ऑनलाइन साझा किये जाने वाली सूचनाओं खासकर व्यक्तिगत सूचनाओं की मात्रा को सीमित करें। खास तौर पर हाई रेजोल्यूशन वाली तस्वीरें और वीडियो क्योंकि इनका दुरूपयोग डीपफेक बनाने के लिए आसानी से किया जा सकता है।

सोशल मीडिया यूजर्स को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर गोपनीयता की सेटिंग का उपयोग कर लोगों की पहुंच नियंत्रित करनी चाहिये। साथ ही अपने खातों को हैकिंग प्रयासों से रोकने के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करना चाहिये।

राज्य सरकार द्वारा जारी एडवाइजरी में संगठनों के लिए भी रणनीतियाँ जारी की गई हैं। इसमें ऑनलाइन फोटो, वीडियो अथवा डॉक्यूमेंट जारी करते समय डिजिटल वाटरमार्क का उपयोग करना, डिजिटल संचार के लिए कडे सत्यापन, प्रोटोकॉल स्थापित करना तथा संवेदनशील लेन देन के लिए मल्टी फैक्टर ऑथेंटिकेशन और कॉल बैक जैसी प्रक्रियाएं अपनाने के दिशा-निर्देश दिये गए हैं। इसके अतिरिक्त डीपफेक सामग्री की पहचान के लिए उन्नत पहचान उपकरण काम में लेने और उनके नियमित अपडेशन का सुझाव दिया गया है।

संगठन अपनी डिजीटल फोरेंसिक क्षमताओं को बढ़ाकर तथा संगठन को प्रभावित कर सकने वाली संभावित डीपफेक सामग्री के लिए सोशल मीडिया और सार्वजनिक चैनलों की सक्रिय रूप से निगरानी कर डीपफेक के संभावित खतरे को कम कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त संगठनों को एन्क्रिप्टेड संचार का उपयोग करने तथा डीपफेक घटनाओं का जवाब देने के लिए संकट प्रबंधन योजना विकसित करने के लिए जागरूक करने का सुझाव दिया गया है।

''राइजिंग राजस्थान'' में हुए निवेश करारों को धरातल पर उतारने की प्रभावी कार्ययोजना बनाएं : कलेक्टर

जयपुर। राजधानी जयपुर समेत जिले में निवेश को प्रोत्साहित करने एवं रोजगार के अधिक से अधिक अवसर सृजित करने के लिए विभागीय अधिकारी ''राइजिंग राजस्थान'' के तहत हुए निवेश करारों को धरातल पर उतारने के लिए प्रभावी कार्ययोजना बना कर समस्त एमओयू का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने शुक्रवार को आयोजित समीक्षा बैठक में अधिकारियों को यह दिशा निर्देश प्रदान किये।

जिला कलक्टर की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में राइजिंग राजस्थान के तहत हुए निवेश करारों की प्रगति की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान कलक्टर ने अधिकारियों को निवेश करारों को धरातल पर पर उतारने एवं निवेश करारों के सफल एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए भू आवंटन सहित समस्त प्रकार की आवश्यक कार्यवाहियों का जल्द से जल्द निस्तारित करने के भी निर्देश प्रदान किये।

अतिरिक्त जिला कलक्टर विनिता सिंह, महाप्रबंधक जिला उद्योग केन्द्र शिल्पी आर. पुरोहित सहित रीको, जयपुर विकास प्राधिकरण, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, ऊर्जा विभाग, शिक्षा विभाग, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, कृषि विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

- **डॉ. सोनी ने समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिशा निर्देश प्रदान किये**

उत्तर पश्चिम रेलवे
ई-निविदा सूचना
निविदा संख्या:ZRTI-UD-2024-03, **कार्य का नामः** क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुरः क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान उदयपुर स्थित मॉडर्न किचन के लिए किचन/मैस उपकरणों का प्रावधान, **अनुमानित लागतः** रूपये 1,02,13,898.39, **धरोहर राशिः** रूपये 2,01,100/-, **निविदा प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख एवं समयः** 20.01.2025 को 15:00 बजे तक, **निविदा प्रपत्र खुलने की तारीख एवं समयः** 20.01.2025 को 15:30 बजे, **ऑफिस का पताः** प्राचार्य, क्षेत्रीय रेल प्रशिक्षण संस्थान, सुखाड़िया सर्कल के पास, उदयपुर, राजस्थान 313001, **वेबसाइट का पताः** www.ireps.gov.in **1506-PS/24**
हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

नाम परिवर्तन

मैंने अपना नाम अभिषेक शर्मा से बदलकर अभिषेक कुमार शर्मापुत्र श्री श्रीनिवास शर्मा कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जावें। पताः जहानगर मोरड़ा, करौली, राजस्थान- 322238

हम, राजेन्द्र सारण और सुमन निवासी-75, चंद्र नगर, श्री राम कॉलोनी के पास, नागौर, ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए हमारी बेटी का नाम केजल से बदलकर केजल चौधरी कर दिया है।

मैंने मेरा नाम मो सलीम पिता का नाम मो भिखा व माता का नाम हाजरा (HAJARA), जन्मतिथी 01 जनवरी 1965 रख लिया है। पासपोर्ट में मेरा नाम सलीम मोहम्मद सब्जीफरोश, पिता का नाम भिखा सब्जीफरोश व माता का नाम (HAZRA) अंकित है जो गलत व असत्य है। मो सलीम पुत्र मो भिखा, वार्ड नं.35, बकरा मंडी, सरदारशहर

I kamala kulhari legally wedded spouse of surendra singh village post kulharion ki dhani via bisau district Jhunjhunu have changed my name from KAMALA KULHARI (DOB15/3/1965) exisiting name of spouse as per change of next of-kin- POR /service documents /pension certificate To KAMLA DEVI(DOB 15/3/1968) (proposed/adopted/ correct new name vide affidavit dated 17 Dec 2024 before district notary Jaipur

कार्यालय उपायुक्त, (मुरलीपुरा जोन), नगर निगम ग्रेटर, जयपुर
(मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पीछे, सामुदायिक केन्द्र मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर)
क्रमांक-मु.जो./ननिज/2024/3909 दिनांक-26/12/2024
सार्वजनिक सूचना भूखण्ड सं. बी-56, आर्य नगर विस्तार 4 ई. (मोती भवन गृह निर्माण सहकारी समिति लिमिटेड) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्री रामकरण सिंह पुत्र श्री राम कुमार सिंह को क्षेत्रफल 344.62 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में आवेदक श्रीमती सुनीता अग्रवाल पत्नी श्री मनोज कुमार अग्रवाल द्वारा शपथ पत्र (अण्डरटेकिंग), पंजीकृत पट्टा मय साइट प्लान की फोटो प्रति, रजि विक्रय पत्र एवं अन्य चैन दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड का स्वयं के नाम से उपविभाजन / नाम हस्तांतरण चाहा गया है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराये गये दस्तावेजों के आधार पर उक्त भूखण्ड श्रीमती सुनीता अग्रवाल पत्नी श्री मनोज कुमार अग्रवाल के पक्ष में कुल क्षेत्रफल 111.66 वर्गगज का उपविभाजन/नाम हस्तांतरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के उपविभाजन / नाम हस्तांतरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें, अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार उपविभाजन/नाम हस्तांतरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।
उपायुक्त, मुरलीपुरा जोन नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर
क्रमांक: जविप्रा उपा./जोन-09/2024 डी-9122 ऑनलाइन आवेदन: 197149 दिनांक:-23.12.2024
निजी खातेदारी की योजना विकास भवन गृह निर्माण सहकारी समिति की रविन्द्र नगर ए के भूखण्ड संख्या 133 क्षेत्रफल 111.11 वर्ग गज की लीजडीड श्री रामदयाल मीणा पुत्र श्री सावलराम मीणा के नाम से दिनांक 11.9.2007 को जारी की गयी है। तत्पश्चात श्री रामदयाल मीणा द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 17.09.07 के द्वारा श्रीमती इन्दिरा शर्मा पत्नी श्री पवन शर्मा को कर दिया गया तत्पश्चात श्रीमती इन्दिरा शर्मा द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 19.01.2011 के द्वारा श्रीमती भाग्येश्वरी चौहान पत्नी श्री महेन्द्र सिंह चौहान को कर दिया गया तत्पश्चात श्रीमती भाग्येश्वरी चौहान द्वारा उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 30.04.2012 के द्वारा श्री शेखर चौधरी पुत्र श्री रामलाल गक्खड को कर दिया गया। तत्पश्चात श्री शेखर चौधरी उक्त भूखण्ड का बेचान जरिये रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दिनांक 07.06.2013 के द्वारा सोम प्रकाश गुप्ता पुत्र श्री अयोध्या प्रसाद गुप्ता को कर दिया गया तत्पश्चात श्रीमती आशा गुप्ता पत्नी श्री सोम प्रकाश गुप्ता, निताश गुप्ता पुत्री स्व. श्री सोम प्रकाश गुप्ता एवं श्री संजीव गुप्ता पुत्र स्व. श्री सोम प्रकाश गुप्ता द्वारा जरिये रजिस्टर्ड हक त्याग पत्र दिनांक 23.10.2024 के द्वारा श्री राजीव गुप्ता पुत्र स्व. श्री ओम प्रकाश गुप्ता के पक्ष मे कर दिया गया। अतः प्रार्थी को निजी खातेदारी योजना रविन्द्र नगर ए के भूखण्ड संख्या 133 क्षेत्रफल 111.11 वर्ग गज का नाम हस्तान्तरण जारी किये जाने के सम्बंध में कार्यवाही की जानी है। इस सम्बंध में किसी भी व्यक्ति विशेष को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस कि अधीन प्रस्तुत करें अन्यथा उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण किये जाने की कार्यवाही कर दी जावेगी।
उपायुक्त जोन-09 जविप्रा, जयपुर।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या आर-75 योजना निलय कुंज जेडीए जयपुर का मूल पट्टा साईट प्लान कब्जा पत्र और विक्रय पत्र कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें। 9829345457

प्लाट नं.192, राजापार्क, रामगली नं.2 के चैन डोक्यूमेन्ट्स में मूल आवंटी श्री जैसराम के मृत्यु प्रमाणपत्र की फोटोकॉपी मुझसे मेरे निवास फ्लैट नं.401, प्लाट नं.27, रामगली नं.8 से रामगली नं. 2, राजापार्क, जयपुर के मध्य 2.12.2024 को कहीं गिर गई मिलने पर सूचित करें। गुरूबचन सिंह धीर 9983998445

मेरे प्लाट नं- एम-114 जे.डी.ए. की योजना पालड़ीमीणा योजना जयपुर का जे.डी.ए. से जारी मूल आवंटन पत्र एवं कब्ज़ा पत्र रास्ते मै कही गुम हो गया है मिलने पर सूचित करे शमशाद बानो मो. 8005793482

जयपुर विकास प्राधिकरण की आवासीय योजना-आनन्द लोक, सीकर रोड, जयपुर के प्लाट नम्बर डी-13 का मूल आवंटन पत्र क्र.8479 व मूल कब्जा पत्र क्र.875 व मूल साईट प्लान व रसीद कहीं गुम हो गये है। मिलने पर सूचित करें। प्रताप सिंह- मो.नं. 9057843665

संसदीय लोकतंत्र को बचाने के लिए सड़कों पर उतरना ही होगा : तुषार गांधी

जयपुर। देश में संसदीय लोकतंत्र को खत्म करने की साजिश चल रही है और हालात ऐसे बना दिए हैं कि अब संसद ही अब लोकतंत्र और संविधान को बचाने में नाकामयाब हो गई है क्योंकि, पिछले 10 साल में सुनियोजित तरीके से संसदीय परंपराओं को खत्म कर दिया है। यह विचार प्रसिद्ध लेखक व विचारक और महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी ने शुक्रवार को जयपुर में व्यक्त किए।

तुषार गांधी शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार सुधांशु मिश्र के कविता संग्रह समकाल के झालाना स्थित प्रौढ शिक्षण समिति के सभागार में आयोजित समारोह के मुख्य अतिथि थे। उन्होंने मिश्र के कविता संग्रह को विद्रोही साहित्य बताते हुए कहा कि आजादी के आंदोलन में भी कविता और साहित्य प्रेरणा स्त्रोत थे। वर्तमान में भी ऐसे ही साहित्य की जरुरत है, विशेषकर तब जबकि सरकारों से प्रश्न पूछना ही देशद्रोह हो गया है।

उन्होंने कहा कि आज संविधान, सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब को खत्म किया जा रहा है, इसका उदाहरण है कि बिहार में एक लोक गायिका को बापू का भजन गाने पर ना केवल विरोध का सामना करना पड़ा, बल्कि माफी भी मांगनी पड़ी। आज गंगा-जमुनी तहजीब की बात करना गुनाह इसलिए सामाजिक सौहार्द्र को बचाने और कायम करने के लिए क्रांति की जरुरत है।

महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी शुक्रवार को वरिष्ठ पत्रकार सुधांशु मिश्र के कविता संग्रह ''समकाल'' का झालाना स्थित प्रौढ शिक्षण समिति के सभागार में विमोचन किया।

तुषार गांधी ने कहा कि यह तय है कि नफरत का अंधेरा छंटेगा और एक नई सुबह होगी लेकिन, बड़ा प्रश्न यह है कि समाज में बेतरह फैल चुके जहर से उबरने में कितना समय लगेगा और तब तक कितना नुकसान हो चुका होगा। क्योंकि आज सोश्यल मीडिया के माध्यम से नफरत हमारे परिवारों में अंदर तक प्रवेश कर चुकी है। इस कारण आपसी संवाद की स्थिति नहीं रह गई है और रिश्तों की मर्यादा भी तार-तार हो रही है।

गांधी ने कहा कि यह लडाई विचारधारा और विचारों की है और राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा सराहनीय है लेकिन वह अकेले कुछ नहीं कर पाएंगे। इसके लिए सभी को नफरत के अंधेरे में मोहब्बत के दीप जलाने होंगे और अब यह अनिवार्य है क्योंकि यह अब जीवन-मरण का प्रश्न हो गया है।

उन्होंने कहा कि लोगों की नजर में संसदीय प्रणाली को बेईज्जत कर दिया है। और इससे तानाशाही सत्ता का विचार बलवती हो रहा है। संसदीय लोकतंत्र को खत्म करने की सुनियोजित साजिश हो रही है। आने वाली पीढी संसदीय लोकतंत्र को बेकार मानने लगेगी। इसलिए लडाई अब सडकों पर लडनी होगी। जनमत को बेकार हो गया है क्यों कि हमारे वोट को निकम्मा बना दिया है।

- **'सोशल मीडिया के जरिये चौराहों से उठकर घरों में पहुंची नफरत'**
- **महात्मा गांधी के प्रपौत्र तुषार गांधी शुक्रवार को जयपुर में प्रेस से रूबरू हुए**

गांधी ने कहा कि सरकार का विरोध सरकार की मर्जी से नहीं हो सकता। सरकारी नीतियों के विरुद्ध लडने वालों को कुर्बानी भी देनी होगी और सहना भी होगा क्यों कि सत्याग्रह का मकसद ही सरकारी नीतियों का विरोध होता है। वर्तमान समय में सत्याग्रही और क्रांतिकारी के बीच की दरार को मिटाना होगा। गांधी ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र की मुख्य प्रक्रिया है लेकिन,वही लोकतांत्रिक नहीं है और इस पर सरकार का कब्जा हो गया है। चुनाव आयोग किसी की नहीं सुनता। प्रश्नों के जवाब नहीं मिल रहे है। लोकसभा चुनाव के परिणामों को देखते हुए जानबूझकर महाराष्ट्र के चुनाव तीन महीने की देरी से करवाए। चुनाव प्रक्रिया पर नागरिकों का कंट्रोल होना चाहिए लेकिन,वही नहीं है। चुनाव प्रक्रिया में बदलाव के लिए क्रांति की जरुरत है। उन्होंने कहा कि ईवीएम का बहाना बेकार है क्यों कि बैलेट पेपर से चुनाव में भी वोटों की चोरी होती ही थी।

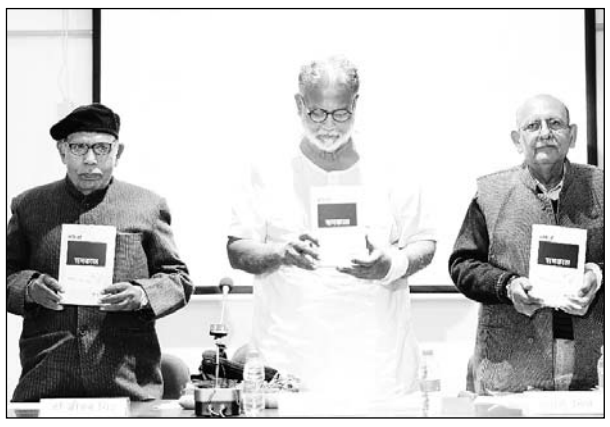

गांधी ने कहा कि राष्ट्र बचेगा तो लोकतंत्र भी रहेगा और इसके लिए गांधी के सत्याग्रह का मॉडल अपनाना होगा जिसमें राजनीतिक लडाई के साथ ही सामाजिक सुधार और रचनात्मकता को भी साथ में रखना होगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. जीवन सिंह ने की और प्रो आर. पी.गर्ग, पराग मांदले, अनंत भटनागर ने सुधांशु मिश्र के कविता संग्रह से कविता पाठ किया। राजस्थान प्रौढ शिक्षण समिति के सचिव राजेद्र बोडा, साहित्यकार नंद भारद्वाज सहित वरिष्ठ पत्रकार जगदीश शर्मा, सत्यनारायण शर्मा,लोक अध्ययन संस्थान के अध्यक्ष लोकेश कुमार सिंह साहिल सहित बडी संख्या में पत्रकारों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो मोहन श्रोत्रिय ने किया।

फॉर्म संख्या URC-2
अधिनियम के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत पंजीकरण के बारे में सूचना देने वाला
विज्ञापन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 374 (बी) और कंपनी (पंजीकरण के लिए प्राधिकृत) नियम, 2014 के नियम 4(1) के अनुसार)
1. इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 366 की उप-धारा (2) के अनुसरण में, 15 दिन के पश्चात् किन्तु तीस दिन की समाप्ति से पूर्व, रजिस्ट्रार, जयपुर, राजस्थान/सीआरसी, मानेसर को एक आवेदन प्रस्तुत किया जाना प्रस्तावित है कि मेसर्स रेडियन इंडस्ट्रीज, एक साझेदारी फर्म को कंपनी अधिनियम 2013 के अध्याय XXI के भाग I के अंतर्गत शेयरों द्वारा सीमित कंपनी के रूप में पंजीकृत किया जाए।
2. कंपनी के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं: एल्युमीनियम, कास्ट एल्युमीनियम, स्टील, स्टेनलेस स्टील, कास्ट आयरन, प्लास्टिक और विद्युत सहायक उपकरण और तारों जैसी सामग्री में प्रकाश प्रणालियों और खंभों का डिजाइन, विनिर्माण और विपणन।
3. प्रस्तावित कंपनी के ड्राफ्ट मेमोरेंडम और एसोशिएशन के प्रारूप की एक प्रति का निरीक्षण कार्यालय जी-1, 22 रीको इण्डस्ट्रीयल एरिया, बिंदायका सिरसी रोड जयपुर, राजस्थान-302012 पर किया जा सकता है।
4. इसके द्वारा सूचित किया जाता है कि इस आवेदन पर आपत्ति करने वाला कोई भी व्यक्ति इस नोटिस के प्रकाशन की तारीख से इक्कीस दिनों के भीतर केंद्रीय पंजीकरण केंद्र (सीआरसी), भारतीय कॉर्पोरेट मामले संस्थान (आईआईसीए), प्लॉट संख्या 6, 7, 8, सेक्टर 5, आईएमटी मानेसर, जिला गुड़गांव, हरियाणा - 122052 में रजिस्ट्रार को लिखित रूप में अपनी आपत्ति से अवगत करा सकता है, जिसकी एक प्रति कंपनी के पंजीकृत कार्यालय को भी भेजी जाए।

दिनांक 28 दिसंबर, 2024
आवेदक का नाम
रेडियन इंडस्ट्रीज के लिए
संजीव दक्षिनी
पार्टनर

राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद
सवाई मानसिंह स्टेडियम, जनपथ, जयपुर
कार्यालय दूरभाष नं0 0141-2744283, फैक्स नं0 0141-2740568, ईमेल आईडी - rsscjaipur@gmail.com
क्रमांक :- 164 दिनांक :- 24/12/2024
निविदा सूचना संख्या 86/2024-25
राजस्थान राज्य क्रीडा परिषद, जयपुर की ओर से निर्माता/अधिकृत विक्रेताओं से राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के तीरंदाजी खेल उपकरणों की आपूर्ति हेतु सील बन्द लिफाफों में एतद् द्वारा निविदा आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदा से संबंधित सम्पूर्ण विवरण **http://sppp.rajasthan.gov.in & www.rssc.in** पर देखी जा सकता है।
UBN No. : RSC2425GSOB00044
राज.संवाद/सी/24/9557 सचिव

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मंदीप शर्मा पुत्र सत्य प्रकाश पता प्लॉट नं.108, ओम रेजीडेंसी निकट माता मंदिर डीएवी स्कूल नवई नगर, जयपुर, राजस्थान और ए-5/38, भजनपुरा, दिल्ली ने सीसी संख्या 819/18 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत** थानाः भजनपुरा, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **मंदीप शर्मा** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **मंदीप शर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी संख्या 819/18 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थाना भजनपुरा, दिल्ली के उक्त मंदीप शर्मा** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **31.01.2025** को या इससे पहले हाजिर हो।
आदेशानुसार
पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-01
कमरा नं. 73, उ0पू0 जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/16674/NE/2024